3ZTVRZ

पाठ 15

मैं हूँ महानदी

हमारे देश में अनेक महत्वपूर्ण और पवित्र नदियाँ हैं। महानदी भी उनमें से एक है। यह हमारे राज्य की सबसे बड़ी और पवित्र नदी है। इस पाठ में महानदी अपनी कहानी स्वयं सुना रही है।

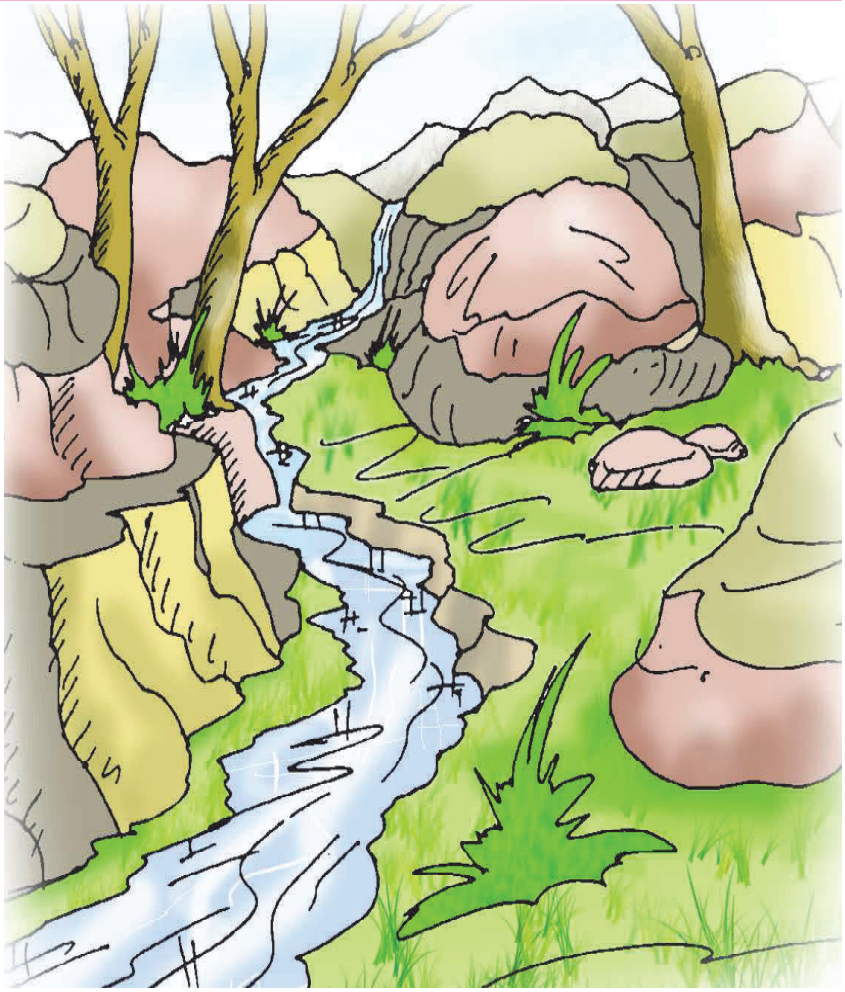

जी हाँ! मेरा नाम महानदी ही है।

गंगा, यमुना, गोदावरी एवं नर्मदा की तरह मैं भी एक प्राचीन, पवित्र नदी हूँ। बच्चो! क्या तुम जानते हो कि तुम सभी की तरह मेरी जन्मभूमि भी छत्तीसगढ़ ही है। धमतरी जिले में नगरी नामक कस्बा है। इसके पास ही सिहावा पर्वत में मेरा जन्म हुआ। इसी पर्वत की ढलानों में खेलते–कूदते मैं बढ़ती रही और धीरे–धीरे नीचे मैदान में उतर आई।

अब मैं कुछ बड़ी हो गई और उछल – कूद छोड़कर कल–कल करती हुई, धीरे–धीरे आगे बढ़ने लगी। मैदानी भाग होने के कारण, कहीं–कहीं पर मेरी धारा का कुछ पानी ठहरकर सरोवर भी बनाता गया। इन सरोवरों में बहुत सुंदर नीले रंग के कमल भी खिला करते थे। इन नीले कमल के फूलों के कारण कुछ लोगों ने मुझे 'नीलोत्पला', तो कुछ लोगों ने मुझे 'चित्रोत्पला' नाम भी दिया। जी हाँ! वेदों में मेरे ये ही नाम मिलते हैं। कुछ लोगों ने दुलार से मुझे 'महानंदा' भी कहकर पुकारा। आज मेरा प्रचलित नाम 'महानदी' है।

मेरे मार्ग में कहीं जंगल, पहाड़ हैं, तो कहीं दूर–दूर तक फैले हुए खेत हैं। यात्री कहते हैं– ''जब मैं जंगल, पहाड़ों से होकर गुजरती हूँ तो बहुत सुंदर दिखाई पड़ती हूँ।'' मेरे तटों पर जिन किसानों के खेत हैं,वे मुझे साक्षात् अन्नपूर्णा या लक्ष्मी कहते हैं।

धमतरी के मैदानों से निकलकर, मैं काँकेर एवं चारामा होते हुए राजिम पहुँची। यहाँ मेरी दो बहिनें–पैरी (पार्वती) और सोंढुर (सुंदराभूति) – आकर मुझमें मिल गईं। अब मेरा सम्मान भी बहुत होने लगा। राजिम में हमारे इस संगम–स्थल पर भगवान राजीवलोचन (श्री राम) एवं कुलेश्वर महादेव के दर्शनीय मंदिर बनाए गए। इन पवित्र मंदिरों में दर्शनार्थियों का ताँता लगा रहता है। तीर्थयात्री मेरे जल में डुबकी लगाते हैं एवं मेरा जल ले जाकर भगवान शंकर पर चढ़ाते हैं। यहाँ पर माघ पूर्णिमा से प्रारंभ होकर महाशिवरात्रि तक एक विशाल मेला भरता है।

राजिम से आगे मेरे तट पर एक प्राचीन नगरी है–'आरंग'। 'आरंग' किसी जमाने में जैन धर्म का प्रसिद्ध केंद्र था। मेरे साथ–साथ कुछ और आगे चलने पर आप पहुँचेंगे 'सिरपुर'। यहाँ प्राचीन लक्ष्मण मंदिर एवं गंधेश्वर मंदिर दर्शनीय हैं। प्राचीन काल में सिरपुर (श्रीपुर) एक बड़ा नगर था। यहाँ एक बौद्ध संघाराम था, जहाँ हजारों छात्र शिक्षा प्राप्त करते थे।

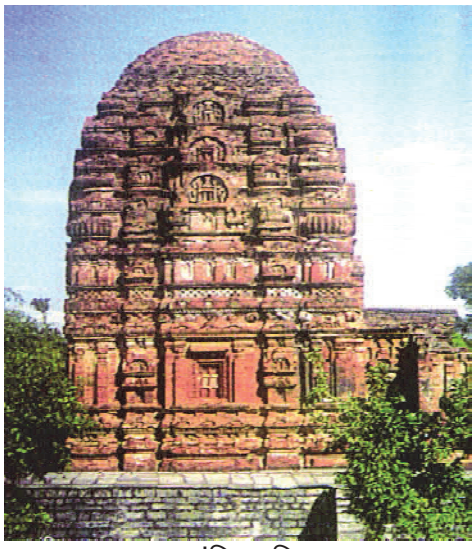
लक्ष्मण मंदिर, सिरपुर

रामायण में राम को शबरी द्वारा बेर खिलाए जाने का वर्णन है। शबरी का आश्रम भी मेरे तट पर ही था। वह स्थान बहुत पुराने समय से शिवरीनारायण के नाम से जाना जाता है। यहीं 'शिवनाथ' और 'जोंक' नदियाँ मुझमें आकर मिलती हैं।

मेरे कुछ और आगे बढ़ने पर 'हसदो' और 'माँड' नदियाँ भी मुझे अपना सारा पानी दे देती हैं।

छत्तीसगढ़ से निकलकर मैं उड़ीसा प्रदेश में प्रवेश करती हूँ। अब तक मेरा आकार बहुत बड़ा हो जाता है। मेरे तट की चौड़ाई कहीं–कहीं एक किलोमीटर से भी अधिक हो जाती है। उड़ीसा में संबलपुर, कटक नगरों से होते हुए मैं पाराद्वीप पहुँचती हूँ। यहाँ मेरा रूप देखकर लोग कह उठते हैं –'सचमुच यह नदी नहीं, महानदी है।' यहाँ मैं बंगाल की खाड़ी में जा मिलती हूँ।

मेरे तट पर बसनेवाले मेरे पुत्रों ने मुझे हमेशा माँ की तरह सम्मान दिया; मुझे बहुत प्यार और दुलार दिया। कुछ जगहों पर मेरी धारा के बहते जल को रोकने के लिए बाँध बनाए गए हैं। छत्तीसगढ़ में प्रमुख बाँध है 'गंगरेल' बांध जिसे 'पंडित रविशंकर शुक्ल

जलाशय' कहा जाता है। उड़ीसा में संबलपुर के समीप हीराकुंड बाँध भारत का सबसे लंबा बाँध है। यह बाँध मेरे पानी को रोकने के लिए ही बनाया गया है ।

मैं धन्यवाद देती हूँ अपने बच्चों को जो मुझे दूषित होने से बचाकर रखते हैं। मैं सभी के सुखी एवं समृद्ध जीवन की कामना करती हूँ एवं बहते रहकर सबकी प्यास बुझाते रहने का वायदा करती हूँ।

शब्दार्थ

प्राचीन	–	पुरानी	सरोवर	–	तालाब
नीलोत्पला	–	नीले कमलवाली	यात्री	–	यात्रा करनेवाले लोग
सम्मान	–	आदर	संगम	–	मिलन
दर्शनीय	–	देखने योग्य			

प्रश्न और अभ्यास

प्र.1. हमारे राज्य में कौन – कौन सी नदियाँ बहती है ?

प्र.2. महानदी का नाम नीलोत्पला क्यों पड़ा ? इसे और किन–किन नामों से पुकारा जाता है ?

प्र.3. पैरी और सोंढुर नदियों का महानदी से मिलन किस स्थान पर होता है ?

प्र.4. सिरपुर क्यों प्रसिद्ध है ?

प्र.5. महानदी किन–किन क्षेत्रों से बहती हुई अंत में समुद्र से जा मिलती है ?

प्र.6. उन बाँधों के नाम लिखो जो महानदी पर बनाए गए हैं।

प्र.7. इनके नाम लिखो।

क– महानदी की दो सहायक नदियाँ

ख– सिरपुर के दो प्रमुख मंदिर

ग– राजिम के दो प्रमुख मंदिर

प्र.8 नदियों के दूषित होने के कारण लिखो।

प्र.9. अपने गाँव या शहर के आसपास की नदियों के नाम लिखो।

प्र.10. आजकल नदियाँ जल्दी सूख जाती है, इसका क्या कारण होगा?

प्र.11. सही विकल्प पर गोला (0) लगाओ –

क. ''प्राचीन'' शब्द का अर्थ है –

अ. नया

ब. पुराना

स. इनमें से कोई नहीं

ख. इनमें से कौन अलग हैं –

अ. छत्तीसगढ़

ब. उड़ीसा

स. सम्बलपुर

ग इनमें से एक नदी का नाम है –

अ. रायपुर

ब. महानदी

स. भिलाई

घ. ''यात्री'' शब्द का अर्थ है –

अ. नहाने वाले लोग

ब. खाना खाने वाले लोग

स. यात्रा करने वाले लोग

भाषा–अध्ययन और व्याकरण

प्र.1. नीचे कुछ शब्द दिए गए हैं। इन शब्दों के विपरीत लिंग वाले शब्द लिखो।

घोड़ा,	शेर,	मुर्गा,	मामा,	चाचा,
नानी,	भाई,	शिक्षिका,	गाय,	बेटी

समझो – 'मोहन एक सीधा–सादा लड़का था। वह साफ कपड़े पहनता था। वह गोल टोपी भी पहनता था।' पहले वाक्य में 'सीधा–सादा' लड़के की विशेषता बताता है। इसी प्रकार 'साफ' शब्द 'कपड़े' की और 'गोल' शब्द 'टोपी' की विशेषता बताते हैं। 'सीधा–सादा','साफ' और 'गोल' शब्द विशेषण हैं।

याद रखो: संज्ञा एवं सर्वनाम की विशेषता बतलाने वाले शब्द विशेषण कहलाते है।

प्र.2. इन शब्दों को पढ़ो और विशेषण तथा विशेष्य शब्द अलग–अलग लिखो।
मधुर गीत, समृद्ध जीवन, बड़ा नगर, प्राचीन मंदिर,लंबी सड़क, काली घोड़ी।

रचना

1. अपने आस – पास के किसी स्थल का वर्णन अपने शब्दों में करो।
2. नदी के पानी के क्या उपयोग हैं?
3. इस शब्द पहेली में नगरों के नाम छिपे हैं। इन्हें खोजकर लिखो।

रा	क	जि	ट	म	क	न	चा	ग	रा	री	मा

योग्यता विस्तार

- गंगा एक नदी का नाम है । इसी तरह तुम कितनी नदियों के बारे में जानते हो ? उनमें किन्ही पाँच नदियों के नाम लिखो।

413RTM

शिक्षण–संकेत

- विद्यार्थियों से पानी की समस्या के संबंध में चर्चा करें।
- राज्य की प्रमुख नदियों के संबंध में चर्चा करें।
- महानदी के तट पर भरनेवाले मेलों की भी चर्चा करें।
- नदियों के महत्व पर भी चर्चा करें।
- बच्चों को अपने बारे में लिखने के लिए कहें।